पाठ - 9

17/11/2022

भारतीय राजनीति : नए बदलाव

(1.) 1990 का दशक :—

⇒ सन् 1990 के दशक में विभिन्न राजनीतिक दलों में बड़ी अफरा-तफरी मच गयी। कई कारकों ने एक साथ मिलकर इस अवधि में अप्रत्याशित परिणाम दिए। इस दौर के बदलाव बड़े अप्रत्याशित हैं क्योंकि इनके साथ संघर्ष के कुछ गहरे मसले जुड़े हुए हैं।

⇒ सन् 1991 में मध्यावधि चुनाव हुए और कांग्रेस इस बार अपना आँकड़ा सुधारते हुए सत्ता में आई। बहरलाल, सन् 1989 में ही उस परिघटना की समाप्ति हो गयी थी जिसे राजनीति विज्ञानी अपनी विशेष शब्दावली में 'कांग्रेस प्रणाली' कहते हैं।

⇒ सन् 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की नई सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू किया। इन सिफारिशों के अन्तर्गत प्रावधान किया गया कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में 'अन्य पिछड़ा वर्ग' को आरक्षण दिया जाएगा। अन्य पिछड़ा वर्ग को मिले आरक्षण के समर्थक और विरोधियों के बीच चले विवाद को 'मंडल मुद्दा' कहा जाता है।

⇒ इस दौर में आर्थिक नीतियाँ अपनाई वे बुनियादी तौर पर राजीव गाँधी की सरकार के समय हुई तथा सन् 1991 तक बदलाव प्रकट हुए।

⇒ घटनाओं के एक सिलसिले की परिणति अयोध्या स्थित एक विवादित ढाँचे (बाबरी मस्जिद) के विध्वंस के रूप में हुई।

यह घटना 1992 में घटी। इस घटना ने देश की राजनीति में कई परिवर्तनों को जन्म दिया और उनका प्रतीक बनी।

⇒ राजीव गाँधी चुनाव अभियान के सिलसिले में तमिलनाडु के दौरे पर थे तभी लिट्टे से जुड़े श्रीलंकाई तमिलों ने उनकी हत्या कर दी। 1991 ई. के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ी विजयी पार्टी के रूप में उभरी। ~~की किसी~~

⇒ राजीव गाँधी के बाद कांग्रेस पार्टी ने पी. वी. नरसिम्हा राव को प्रधानमंत्री चुना।

(2.) गठबंधन का युग :—

⇒ इस दौर में 1989 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार हुई थी लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी दूसरी पार्टी को इस चुनाव में बहुमत मिल गया था।

(i) कांग्रेस का पतन :—

⇒ इस दौर में कांग्रेस के दबदबे की समाप्ति के बाद बहुदलीय शासन प्रणाली का युग शुरू हुआ।

⇒ इसका मतलब यह भी हुआ कि 1989 के बाद से लोकसभा चुनावों में कभी भी किसी एक पार्टी को 2014 तक पूर्ण बहुमत नहीं मिला।

(11) गठबंधन की राजनीति :—

⇒ सन् 1996 में बनी संयुक्त मोर्चे की सरकार में क्षेत्रीय पार्टियों ने मुख्य भूमिका निभाई। संयुक्त मोर्चा सन् 1989 के राष्ट्रीय मोर्चा के ही समान था, क्योंकि इसमें भी जनता दल और कई क्षेत्रीय पार्टियां शामिल थी।

⇒ सन् 1996 के चुनावों में भाजपा एक गठबंधन (राजग) के रूप में सत्ता में आई और सन् 1998 में मई से सन् 1999 के जून तक सत्ता में रही।

⇒ फिर सन् 1999 के अक्टूबर में इस गठबंधन ने पुनः सत्ता हासिल की। राजग की इन दोनों सरकारों में अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने।

⇒ इस प्रकार सन् 1989 के चुनावों से भारत में गठबंधन की राजनीति के एक लम्बे दौर की शुरुआत हुई। इसके बाद से केन्द्र में 11 सरकारे बन गई। हालांकि यह प्रवृति 2014 में बदल गयी।

(3.) अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय :—

⇒ इस अवधि का एक दूरगामी बदलाव था— अन्य पिछड़ा वर्ग का उदय। ओबीसी को "अदर बैकवर्ड क्लासेज" का संकेत किया गया है। यह अनुसूचित जाति अथवा जनजाति से अलग एक कोटि है, जिसमें शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समूहों की गणना की जाती है।